सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या

जनपद – मऊ

दिनांक 28, 29 व 30 नवंम्बर, 2016

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डॉ रेशमा मसूद, उपमहाप्रबन्धक, आर0बी0एस0के0, श्री मुकेश कुमार, परामर्शदाता, मातृ स्वास्थ्य एवं श्री राजीव कुमार दुबे ,कार्यक्रम समन्वयक, बाल स्वास्थ्य द्वारा मऊ जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 28, 29 एवं 30 नवंम्बर, 2016 को किया गया है। जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहम्मदाबाद (नॉन एफ.आर.यू. 24x7)–28.11.2016

- लेबर रूम में डिलिवरी ट्रे में आवश्यक दवाईयां injection oxytocin, Tablet Misoprostol, Methergin, Ethymslate, उपलब्ध नही थी। स्टाफ द्वारा पूछे जाने पर ज्ञात हुआ कि लाभार्थियों द्वारा दवाई बाहर से मंगवाई जा रही है।

- लेबर रूम में ऑक्सीजन सिलेण्डर क्रियाशील नहीं था।
- लेबर रूम में लेबर टेवल टूटी पाई गयी एवं लेबर टेवल के नीचे ईट रखी पाई गयी।
- लेबर रूम में किसी भी प्रकार के प्रोटोकॉल पोस्टर उपलब्ध नहीं थे।
- लेबर रूम में ट्रे पर लेवलिंग नहीं की गई थी।

- लेबर रूम में कलर कोडिड बिन नहीं थी।
- लेबर रूम में दो रेडियन्ट वार्मर में से एक खराब अवस्था में पाया गया।
- पिछले दो माह से लाभार्थियों को आई.यू.सी.डी. नहीं लागाया जा रहा था।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत पिछले एक माह से डाईट नहीं दी जा रही थी।
- स्टाफ नर्स को पार्टोग्राफ भरना नही पता था।

- जननी सुरक्षा कार्यक्रम में माह अक्टूबर तक धनराशि का वितरण का विवरण अद्यतन नहीं था। 1700 आशाओं के सापेक्ष मात्र 1119 एवं 2200 लाभार्थियों के सापेक्ष 1293 का ही भुगतान किया गया था।
- हबकटर क्रियाशील नहीं पाया गया।
- इन्जेक्शन विटामिन K उपलब्ध नहीं था।
- आई0ई0सी0 के अन्तर्गत ए0एन0सी0/पी0एन0सी0 वार्डों में दीवार पर लेखन नहीं कराया गया था और एच0बी0एन0सी0 एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य इकाई में आवश्यक ड्रग लिस्ट तथा सीटीजन चार्टर डिस्पले नहीं थे, जिसे डिस्प्ले कराने के लिए कहा गया।
- आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत टीम सदस्यों की संख्या में 08 के स्थान पर 09 सदस्य पाये गये जो कि गम्भीर अनियमितता है।
- टीम सदस्यों के पास इन्फन्टोमीटर एवं रंगीन खिलौने उपलब्ध नही थे।
- जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कालेज में सन्दर्भित बच्चों की लाइन लिस्टिंग राज्य स्तर को प्रेषित नही किया जा रहा है।
- आर0के0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत विफ्स का ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षण नही कराया गया है।

<u>खैराबाद उपकेन्द्र</u>

- उपकेन्द्र पर प्रतिमाह 20 से 25 प्रसव कराये जाते है।

- इकाई पर तैनात ए0एन0एम0 एस0बी0ए0 प्रशिक्षित थी।
- लेबर टेबल उपलब्ध नही था उसके स्थान पर तखत का प्रयोग किया जा रहा था।
- प्रसव कक्ष में साफ सफाई सन्तोषजनक नही थी।
- उपकेन्द्र में दीवाल लेखन पाया गया।
- लेबर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर उपलब्ध नही था।
- ब्लाक स्तर से अनटाईड फन्ड अभी तक उपकेन्द्र पर हस्तान्तरित नही किया था।

<u>ग्राम खैराबाद का समुदाय स्तर की सर्पोटिव सुपरविजन</u>

- फूला नाम की 7 माह की गर्भवती की स्त्री द्वारा अवगत कराया गया कि उसका प्रथम तिमाही का पंजीकरण पाया गया तथा प्रसव पूर्व समस्त जांच हुई थी।
- आशा एवं ए0एन0एम0 परिवार नियोजन की विधि हेतु पी0पी0आई0यू0सी0डी0 की जानकारी नही दी जा रही है।

- धात्री महिला रिन्कु द्वारा पूछे जाने पर ज्ञात हुआ कि उसका प्रसव प्राइवेट चिकत्सालय में कराया गया।
- समुदाय स्तर पर ओ0आर0एस0 के इस्तेमाल एव एसके लाभ के विषय में जानकारी पूरी नही थी।
- सोनी नाम की किशोरी से पूछे जाने पर ज्ञात हुआ कि आयरन फोलिक ऐसिड गोली स्कूल के माध्यम से उपलब्ध नहीं करायी जा रहीं है। साथ ही उनके द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें अथवा उनकी माता को माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन हेतु किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गयी।

मऊ जिला महिला चिकित्सालय भ्रमण दिनांक–29.11.2016

- जिला महिला चिकित्सालय की विल्डिग की अवस्था अच्छी नही थी।
- पूछने पर ज्ञात हुआ कि कई जरूरी सुविधाये उपलब्ध नही थी।
- प्रतिमाह मात्र 50 से 60 प्रसव समपन्न कराये जा रहे है।
- 100 बेडेड अस्पताल का निमार्ण का कार्य प्रारम्भ था।
- प्रसव कक्ष में मात्र 2 लेबर टेबल थी जो ईट के सहारे खडी की गयी थी।
- 2 टेबलों के मध्य कोई भी पार्टिसन नही था।

- 2011 से कोई भी सिजेरियन प्रसव नही कराया जा रहा।
- ओ0टी0 क्रियाशील नही है।
- लेबर रूम में 1 रेडिएण्ट वार्मर था जो क्रियाशील था, परन्तु भर्ती बच्चों की रिकार्ड उपलब्ध नही था।
- लेबर रूम रजिस्टर सही से भरा हुआ नही था।
- लेबर रूम से अटैच शौचालय उपलब्ध नही था।
- इकाई पर कार्यरत स्टाफ को आक्सीजन सिलेन्डर का उपयोग करना नही आ रहा था।
- रेफरल इन एवं रेफरल आउट रजिस्टर अपडेट नही था।
- प्रोटोकाल पोस्टर उपलब्ध नही था।
- पी0एन0सी0 वार्ड में भर्ती लाभार्थी द्वारा अवगत कराया गया कि दर्द की दवा बाहर से मगवाई जा रही है।
- विफ्स की नीली बडी गोली गर्भवती महिला को दी जा रही थी।
- एस0एन0सी0यू0 हेतु चिन्हित स्थान पर गन्दगी का अम्बार लगा हुआ था।
- एस0एन0सी0यू0 के उपकरणों की सप्लाई वेण्डर द्वारा कर दी गयी जिसका 80 प्रतिरूात का भुगतान करा दिया गया है।
- अभी परिवार कल्याण निदेशालय से धनराशि उपलब्ध नही करायी गयी है। जिससे एस0एन0सी0यू0 के निर्माण का कार्य प्राभावित हो रहा है।

- आर0के0एस0 की कमेटी का गठन कर लिया गया है परन्तु अभी तक एक भी बैठक सम्पन्न नही करायी गयी है।
- टीकाकरण मात्र बुधवार एवं शनिवार को पी0पी0सी0 सेन्टर में कराया जा रहा है।
- जिला चिकित्सालय/महिला में ए0एफ0एच0एस0 इकाई स्थापित नही की गयी है।
- जिला चिकित्सालय मऊ में 10 बेडेड एन0आर0सी0 क्रियाशील थी।
- भम्रण के दौरान 4 सैम बच्चे भर्ती थे।
- इकाई में समुदाय स्तर से रेफरल बहुत ही कम हो रहा था।
- वर्तमान सत्र में अभी तक किसी भी आशा एवं आगनबाडी का रेफरल एवं भर्ती कराने का भुगतान नही कराये गये थे।
- आनलाइन रिर्पोटिग हेतु कम्पुयटर का क्रय नही किया गया है।

<u>घोसी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफ.आर.यू.)–29.11.2016</u>

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य इकाई पर 140 से अधिक प्रसव का मासिक प्रसव भार पाया गया एवं 2 से अधिक सीजेरियन प्रसव कराये गये।
- जननी सुरक्षा योजना के तहत माह अक्टूबर तक 1345 लाभार्थियों में से 910 लाभार्थियों एवं 907 आशाओं में से 787 आशाओं की धनराशि का वितरण पाया गया।
- मातृ मृत्यु समीक्षा कार्यक्रम का वित्तीय वर्ष 2016–17 का कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नही कराया गया। ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक मातृ मृत्यु समीक्षा की रिकार्ड–कीपिंग एवं कार्यक्रम के बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञ थे।
- 02 बिस्तरे वाला लेबर रूम में से 01 लेबर टेबल टूटी पायी गई।एवं कक्ष मे वेंटीलेशन की ब्यवस्था नही थी। 02 लेबर टेबल के मध्य प्राइवेसी हेतु पार्टीसियन नही किया गया था जिसकी ब्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया।
- लेबर रूम में बेड पाया गया, जिसको हटाने के निर्देश दिये गये।

- लेबर रूम में उपस्थित टेबलों में मैट्रिक्स नहीं लगा हुआ था।
- लेबर रूम में प्रोटोकाल पोस्टर डिस्पले नही थें।

- लेबर रूम में कलर कोडिड बिन भी प्रयोग में लायी जा रही थी।
- स्टाफ नर्स को पार्टोग्राफ भरना नही पता था।
- बायोमेडिकल वेस्ट प्रबन्धन हेतु आउट साइड की एक एजेंसी हायर की गयी थी जो प्रतिदिन बायोमेडिकल वेस्ट एकत्रित करने आते है।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था। चिकित्सक अधीक्षिक को प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी भी नही थी। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को प्रमाण पत्र जिला स्तर से प्रिन्ट कराकर समस्त प्रसव इकाईयों पर उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
- आ0ई0ई0सी0 के अन्तर्गत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवार लेखन नहीं कराया गया था और एच.बी.एन.सी. एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य इकाई में आवश्यक ड्रग लिस्ट तथा सीटीजन चार्टर डिस्पले नहीं थे, जिसे डिस्प्ले कराने के लिए कहा गया।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एवं नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख में उपलब्ध नही था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- एन.बी.एस.यू. क्रियाशील नहीं था, यद्यपि मानव संसाधन एवं उपकरण उपस्थित थे (जो स्टोर में रखे थे)।
- इन्जेक्शन विटामिन K उपलब्ध नहीं था।
- आर.बी.एस.के. कार्यक्रम के अन्तर्गत संदर्भित बच्चों की लाईन लिस्टिंग नहीं बनायी जा रही थी। टीम द्वारा लाईन लिस्ट को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर राज्य स्तर पर प्रेषित करने के लिए कहा गया।
- आर.बी.एस.के. वाहनों की लॉग बुक अधिक्षक सी.एच.सी. द्वारा सत्यापित नहीं की जा रहीं थी, जिसे नियमित रूप से करने हेतु सुझाव दिये गये।
- प्राथमिक विद्यालय एवं आगनबाडी केन्द्र कोपागंज में भ्रमण के दौरान पाया गया कि 05 से 10 वर्ष के बच्चों को आयरन की गुलाबी गोली नही दी जा रही है।
- विफ्स कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लाक कोपागंज का बापु इन्टर कालेज का भ्रमण किया गया जिसमें पाया गया कि आ0एफ0ए0 टेबलेट की उपलब्धता अक्टुबर 16 से नही प्राप्त हो रही है।
- एलबेन्डाजोल टेबलेट सितम्बर माह में आयोजित राउन्ड में किशोरों को दिया गया।
- प्रधानाचार्य से पूछने पर ज्ञात हुआ कि विफ्स रिर्पोटिग प्रपत्र अभी तक उपलब्ध नही कराया गया है।

<u>ब्लांक परदहां की सब सेन्टर डुमरावं दिनांक 30.11.16</u>

- ए0एन0एम0 एस0बी0ए0 प्रशिक्षित नही थी फिर भी उसके द्वारा प्रसव कराये जा रहे है।
- ओ0पी0डी0 रिकार्ड रजिस्टर मैन्टेन नही था।
- प्लैसेन्टा हेतु कोई भी पिट नही बना हुआ था।
- टीकाकरण सत्र आयोजित नही कराया जा रहा था। 5 वां बुधवार होने की बजह से सत्र आयोजित नही कराया जा रहा था।
- पुछे जाने पर ज्ञात हुआ कि क्षेत्र की कोई भी लाभार्थी डिय् लिस्ट के अनुसार छुटा हुआ नही था।

- उपकेन्द्र पर डियू लिस्ट उपलब्ध नही थी।
- हब कटर क्रियाशील नही था।
- ग्राम इमिलियाडीह में लाभार्थी नेहा के घर का भ्रमण किया जिसका 4 माह का शिशु था जिसका घर में आशा एवं दाई द्वारा प्रसव कराया गया था।
- लाभार्थी द्वारा अवगत कराया गया कि अचानक लेबर पेन होने की वजह से घर पर ही प्रसव कराया गया था।
- आशा के पास डयु लिस्ट उपलब्ध नही थी।
- लाभार्थी के पास उपलब्ध एम0सी0पी0 कार्ड सही से नही भरा हुआ था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी मऊ से की गयी चर्चा के बिन्दु :–

- आर.बी.एस.के. अन्तर्गत सी.एच.सी. मोहम्मदाबाद में टीम बी में चार सदस्यों के सापेक्ष 05 सदस्य कार्यरत थे, जो कि वित्तिय अनियमितता है, जिसके सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अतिरिक्त सदस्य को किसी दूसरे ब्लॉक में समायोजन के निर्देश दिये गये।
- मु.चि.अ. को अवगत कराया गया कि टीमों को अभी तक डेटा कार्ड, इन्फेनटो मीटर, रंगीन खिलौने उपलब्ध नहीं कराये गये है, जिससे प्राथमिकता के आधार पर कय करने हेतु निर्देशित किया गया था।
- सी.एच.सी. मोहम्मदाबाद में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता न होने के कारण सुझाव दिया गया कि इसे आर.के.एस. के मद में सम्बन्धित द्वारा व्यवस्था करायी जाये।
- विफ्स की ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण प्राथमिकता के आधार पर कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- सी.एच.सी. घोसी में एन.बी.एस.यू. तत्काल कियाशील करने हेतु सुझाव दिया गया।
- मु.चि.अ. को अवगत कराया गया कि भ्रमण किये गये स्वास्थ्य इकाईयों पर प्रसव कक्ष में टूटे लेबर टेबिल के स्थान पर ठीक लेबर टेबिल उपलब्ध करायी जाये।
- समस्त स्वास्थ्य इकाईयों पर सिटीजन चार्टर तथा आवश्यक दवाओं की सूची का दिवार लेखन करें।
- समस्त सम्बन्धि विभिन्न प्रकार के प्रोटोकॉल स्वास्थ्य इकाईयों पर उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।

Reshma Masood
(डॉ0 रेशमा मसूद)
उपमहाप्रबन्धक, आर.बी.एस.के.

Mukesh Kumar
(मुकेश कुमार)
परामर्शदाता, एम0एच0

Duby
(राजीव कुमार दूबे)
पी0सी0,सी0एच0